



# Ronal pegu

03 Feb 2002

11:00 PM

Itanagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121517602

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 03/02/2002  
दिन \_\_\_\_\_: रविवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 23:00:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 42:18:48 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Itanagar  
राज्य \_\_\_\_\_: Arunachal Pradesh  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 27:02:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 93:38:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: 00:44:32 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 23:44:32 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:13:49 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 08:39:25 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:04:28 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 16:58:18 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 10:53:50 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: शिशिर  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 20:49:35 मकर  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 11:20:56 तुला

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: तुला - शुक्र  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: तुला - शुक्र  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: स्वाति - 2  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: राहु  
योग \_\_\_\_\_: गण्ड  
करण \_\_\_\_\_: बव  
गण \_\_\_\_\_: देव  
योनि \_\_\_\_\_: महिष  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: शूद्र  
वश्य \_\_\_\_\_: मानव  
वर्ग \_\_\_\_\_: मृग  
युँजा \_\_\_\_\_: मध्य  
हंसक \_\_\_\_\_: वायु  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: रे-रेवती  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: स्वर्ण - रजत  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: कुम्भ

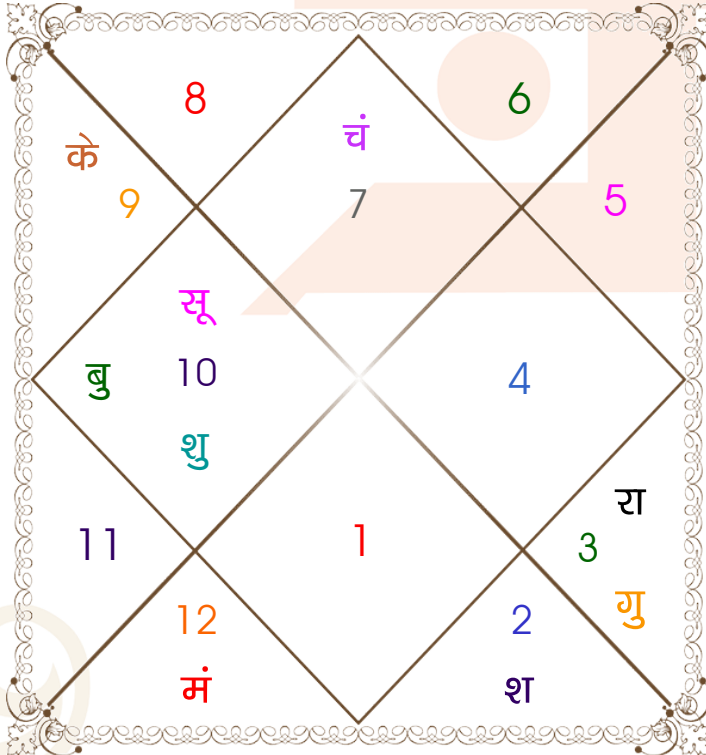
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	11:20:56	313:57:26	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			मक	20:49:35	01:00:51	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	10:09:15	13:57:00	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
मंगल			मीन	17:34:09	00:43:21	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
बुध	व		मक	06:24:38	00:40:51	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	12:50:10	00:04:57	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र	अ		मक	25:40:46	01:15:17	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	मित्र राशि
शनि	व		वृष	14:10:02	00:00:30	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	02:05:04	00:01:30	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	02:05:04	00:01:30	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	उच्च राशि
हर्ष			कुंभ	00:21:41	00:03:26	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	14:48:45	00:02:16	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	23:11:19	00:01:27	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	13:33:44	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

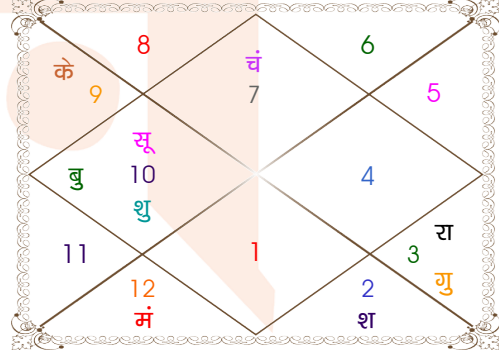
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:55

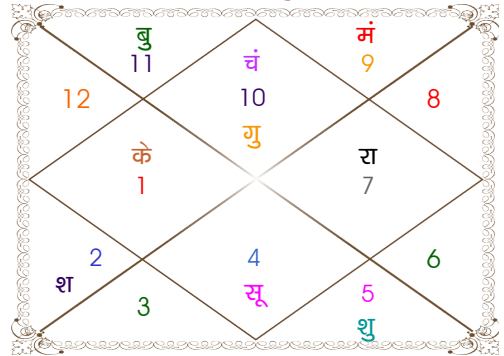
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 13 वर्ष 3 मास 15 दिन

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
03/02/2002	21/05/2015	21/05/2031	21/05/2050	21/05/2067
21/05/2015	21/05/2031	21/05/2050	21/05/2067	21/05/2074
03/02/2002	गुरु 09/07/2017	शनि 24/05/2034	बुध 17/10/2052	केतु 17/10/2067
गुरु 27/06/2002	शनि 20/01/2020	बुध 31/01/2037	केतु 14/10/2053	शुक्र 17/12/2068
शनि 03/05/2005	बुध 27/04/2022	केतु 12/03/2038	शुक्र 14/08/2056	सूर्य 23/04/2069
बुध 20/11/2007	केतु 03/04/2023	शुक्र 12/05/2041	सूर्य 20/06/2057	चंद्र 22/11/2069
केतु 07/12/2008	शुक्र 02/12/2025	सूर्य 24/04/2042	चंद्र 20/11/2058	मंगल 21/04/2070
शुक्र 08/12/2011	सूर्य 20/09/2026	चंद्र 23/11/2043	मंगल 17/11/2059	राहु 09/05/2071
सूर्य 01/11/2012	चंद्र 20/01/2028	मंगल 01/01/2045	राहु 05/06/2062	गुरु 14/04/2072
चंद्र 03/05/2014	मंगल 26/12/2028	राहु 08/11/2047	गुरु 10/09/2064	शनि 24/05/2073
मंगल 21/05/2015	राहु 21/05/2031	गुरु 21/05/2050	शनि 21/05/2067	बुध 21/05/2074

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
21/05/2074	21/05/2094	22/05/2100	22/05/2110	22/05/2117
21/05/2094	22/05/2100	22/05/2110	22/05/2117	00/00/0000
शुक्र 20/09/2077	सूर्य 08/09/2094	चंद्र 22/03/2101	मंगल 18/10/2110	राहु 02/02/2120
सूर्य 20/09/2078	चंद्र 09/03/2095	मंगल 21/10/2101	राहु 06/11/2111	गुरु 04/02/2122
चंद्र 21/05/2080	मंगल 15/07/2095	राहु 22/04/2103	गुरु 12/10/2112	00/00/0000
मंगल 21/07/2081	राहु 08/06/2096	गुरु 21/08/2104	शनि 20/11/2113	00/00/0000
राहु 20/07/2084	गुरु 27/03/2097	शनि 22/03/2106	बुध 18/11/2114	00/00/0000
गुरु 21/03/2087	शनि 09/03/2098	बुध 22/08/2107	केतु 16/04/2115	00/00/0000
शनि 21/05/2090	बुध 13/01/2099	केतु 22/03/2108	शुक्र 15/06/2116	00/00/0000
बुध 21/03/2093	केतु 21/05/2099	शुक्र 20/11/2109	सूर्य 21/10/2116	00/00/0000
केतु 21/05/2094	शुक्र 22/05/2100	सूर्य 22/05/2110	चंद्र 22/05/2117	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 13 वर्ष 4 मा 2 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता है।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्त्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकजिमा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।